PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Bhaskar, Faridabad
Monday, 29th November 2010, Page: 15
Width: 8.42 cms Height: 14.39 cms, Ref: pmin.2010-11-29.44.99

टीकों-दवाओं की खरीद में लेट-लतीफी से स्वास्थ्य मंत्रालय परेशान

तकनीकी ज्ञान के अभाव की वजह से नौकरशाहों से वापस लिया जाएगा जिम्मा।

प्रदीप सुरीन | नई दिल्ली

केंद्र सरकार देश में टीकों और दवाओं की कमी का एक बड़ा खरीदने में लेट-लतीफी को भी मानने लगी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में इस संदर्भ में खरीददारी से जुड़े लोगों में तकनीकी ज्ञान के अभाव पर भी प्रकाश डाला है। 'रिफॉर्म इन ड्रग प्रोक्योरमेंट एंड लोजिस्टिक' नामक रिपोर्ट में दवाओं की खरीद से जुड़े और भी कई कमियों को सामने लाने की कोशिश की गई है। यही नहीं, मंत्रालय इस रिपोर्ट के आधार पर दवा खरीद की जिम्मेदारी नौकरशाहों से हटा कर एक तकनीकी एजेंसी को सौंपने पर विचार कर रही है।

दवा खरीद से जुड़े मामलों में हो रही गड़बड़ियों पर प्रकाश डालते हुए कहा गया है, 'अभी भी अधिकारी दवाओं की सही मात्रा और गुणवत्ता को समझने में नाकाम साबित हुए हैं। आपूर्ति नीति के नहीं होने और खराब निरीक्षण की वजह से पूरे देश में दवाओं की कमी बनी हुई है।' रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि मंत्रालय में मौजूद अधिकारियों द्वारा देरी से टेंडर देने और सही टेंडरों में निर्णय लेने विलंब से भी देश में दवा की कमी हो रही है।

सूत्रों का कहना है कि देश के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में दवा की आपूर्ति का जिम्मा नौकरशाह ही संभालते हैं। तमाम कंपनियों से दवा खरीदने के लिए जरूरी तकनीकी ज्ञान की कमी से ही कई गलतियां हो रही हैं। सूत्र बताते हैं कि इन कमियों को देखते हुए और रिपोर्ट पर गंभीरता से विचार करने के बाद दवा-टीकों की खरीद का जिम्मा नौकरशाहों से हटाने का मन बना लिया गया है। यानी दवा खरीद का काम तकनीकी मामलों में दक्ष किसी एजेंसी को सौंपा जा सकता है। इस सिलसिले में इसी महीने की शुरुआत में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री गुलाम नबी आजाद को रिपोर्ट सौंपी गई है।